पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने नवनिर्मित शैक्षिक भवन 'पं0 दीनदयाल उपाध्याय' का लोकार्पण किया

लखनऊः 20 नवम्बर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के वास्तुकला संकाय के नवनिर्मित शैक्षिक भवन 'पं0 दीनदयाल उपाध्याय' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्राविधिक शिक्षा मंत्री श्री आशुतोष टण्डन, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 विनय पाठक, प्राविधिक शिक्षा सचिव श्री भुवनेश कुमार, विश्वविद्यालय के कुल सचिव श्री नन्दलाल, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 वन्दना सहगल, वरिष्ठ वास्तुविद, छात्र-छात्राओं सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

लोकार्पण करने के उपरान्त राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के 28 विश्वविद्यालयों में से 24 विश्वविद्यालयों का नाम किसी न किसी महापुरूष का दिया गया है। जिस संस्था को जिन महापुरूष का नाम मिला है, वहां के पुस्तकालय में उनके जीवन से जुड़े साहित्य और दर्शन अवश्य उपलब्ध होना चाहिए। इससे वहां के विद्यार्थी अपने महापुरूषों के जीवन दर्शन और उनके विचारों को जान सकें और उससे शिक्षा लेकर अपने जीवन को सार्थक दिशा में लगा सकें। उन्होंने कहा कि डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के वास्तुकला संकाय के नवनिर्मित शैक्षिक भवन को 'पं0 दीनदयाल उपाध्याय' का नाम दिया गया है, जो अपने आप में एक गौरव की बात है।

श्री नाईक ने कहा कि आज जैसी आधुनिक मशीनें न होने के बावजूद 200-250 वर्ष पहले बनी इमारत आज भी खड़ी हुई हैं जबकि नई तकनीक होने के बावजूद नवनिर्मित भवन 50-60 साल में ही खराब हो जाते हैं। काम की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। वास्तुविद्ों के सामने यह एक चुनौती है। मिली हुई शिक्षा का व्यवहार में कैसे उपयोग करें इस पर विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तय समय एवं लागत में कार्य समाप्त न होने से जहाँ एक ओर बजट में बढोत्तरी होती है वहीं निर्माण में होने वाली देरी से उसका लाभ भी देर से समाज को मिलता है तथा सरकारी धन का अपव्यय

होता है। इस दृष्टि से 'कास्ट ओवर रन' और 'टाइम ओवर रन' पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर डॉ0 अब्दुल कलाम और पं0 दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इस नवनिर्मित शिक्षा भवन में डॉ0 कलाम की आधुनिकता और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय कल्पना का सुंदर संगम हो। उन्होंने कहा कि डॉ0 कलाम सकारात्मक सोच के व्यक्ति थे और सफलता के लिये असफलता को भी एक पक्ष मानते थे। इसी प्रकार पं0 दीनदयाल उपाध्याय का जीवनवृत्त समाज को सतत् काम करने की प्रेरणा देता है। राज्यपाल ने बताया कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय की प्रेरणा से उन्होंने झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों के लिये संघर्ष किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 विनय पाठक तथा प्राविधिक शिक्षा सचिव श्री भुवनेश कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 वन्दना सहगल ने स्वागत उद्बोधन और विभागाध्यक्ष श्री राजीव काके ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राज्यपाल ने नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया और वहां एक पौधा भी रोपित किया।

अंजुम/राजेन्द्र/राजभवन (452/33)

विशिष्ट अतिथि
श्री आशुतोष टण्डन
मा. मंत्री, प्राविधिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार
वास्तुकला संकाय, लखनऊ
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ
के नवनिर्मित
पं. दीनदयाल उपाध्याय शैक्षिक भवन
का
मुख्य अतिथि
श्री राम नाईक
कुलाधिपति/मा. राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
कुलपति

वास्तुकला संकाय, लखनऊ
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ
के नवनिर्मित
पं. दीनदयाल उपाध्याय शैक्षिक भवन
का
मुख्य अतिथि
श्री राम नाईक
कुलाधिपति/मा. राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
कुलपति
डॉ. ए.पी.जे. अ.क.प्रा.वि., लखनऊ
FACULTY OF ARCHITECTURE
DR. A.P.J. ABDUL KALAM TECHNICAL UNIVERSITY, LUCKNOW

CONCEPT & VIEWS
SITE PLAN